बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - जनवरी, २०२२)

(समय : दोपहर २.०० से ४.१५) **सत्संग प्रवेश : प्रश्नपत्र -२**

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ६ मार्च, २०२२ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे। मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखें हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राइटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद मानी जाएगी। एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा ना जा सके ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। अभ्यास क्रम में शामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें। परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

(कुल गुणांक : ७५)

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश - द्वितीय संस्करण, दिसम्बर - २०१६

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''यहाँ रहूँगा तो सगे-सम्बंधी रोएँगे और दु:ख देंगे।''
२. ''मैं तुम्हारे जीवन के अंतिम क्षण में अक्षरधाम में ले जाने के लिए आऊँगा।''
३. ''श्रीहरि का पत्र है और मुझे वड़ताल बुलाते हैं।''

प्र. २ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. किस मंदिर के लिए दान लिखाया जा रहा था?
२. कौन सा संकल्प करने से शीतलदास के अनेक रूप हो गए?
३. भावनगर के बापू ने सगराम से क्या पूछा?
४. समाधि में लाधीबाई को किस किस के दर्शन हुए?
५. धर्म-पालन के बारे में आत्मानंद स्वामी क्या कहा करते थे?

प्र. ३ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. दाजीभाई के परिवार के सदस्यों ने उनके पाँव में बेड़ी डालकर कमरे में बंध कर दिया।
२. श्रीहरि ने जीवुबाई को मीठी झिड़की दी।
३. ब्रह्मस्वरूप सत्पुरुष ही गुरु है।

प्र. ४ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए। **[८]**

१. त्रिगुणातीत फिरत ..... प्रकट मुरारि॥
२. किया शुभ यज्ञ ..... भय हमें किसका?
३. दुष्प्राप्यमन्यैः ..... नमामि॥
४. धर्मेण रहिता ..... श्रीकृष्णसेवनम्॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

प्र. ५ 'अहिंसा, सत्य, नैतिक आचरण' - **प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए। (वर्णनात्मक)** **[५]**

प्र. ६ ''सत्संग तो होता है.....'' - **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए।** **[५]**

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज - द्वितीय संस्करण, जून - २०१४

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। **[९]**

१. ''ऐसी गप्प नहीं हाँकनी चाहिए।''
२. ''तुमसे मुझे बहुत सेवाएँ लेनी हैं।''
३. ''अब मैं आपके आदेश के अनुसार ही करुँगा।''

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। **[५]**

१. सरकारी अधिकारी धनजी को शास्त्रीजी महाराज ने क्या कहा?
२. भगतजी को कौन सी संवत् में मन्दिर से बहिष्कृत किया गया था?
३. शास्त्रीजी महाराज नारायणस्वरूपदासजी से क्या सुनते थे?
४. वरताल की सभा में गोवर्धनभाई क्या कहकर चले गए?
५. ज़हर की असर कम करने के लिए हरिभक्तों ने क्या किया?

प्र. ९ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (दो से तीन पंक्ति में) **[६]**

१. सभी हरिभक्त गढडा मूर्तिप्रतिष्ठा की सेवा में जुड़ गए।
२. वैष्णवविद्वान शास्त्री विश्वनाथजी के अभिप्राय से हरिभक्त समुदाय प्रसन्न हो गया।
३. नडियाद के दोलतरामभाई स्वामीश्री से प्रभावित हुए।

प्र. १० निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। [६]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्पों के आगे ही सही का निशान किया होगा तो ही पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. इन्द्र को आह्वान

(१) ☐ त्यागस्वरूपदासजी आप समाधि लगाकर बैठिए।

(२) ☐ मेघपति इन्द्र स्वयं पधारें हैं।

(३) ☐ लोग संतुष्ट हुए।

(४) ☐ अब वर्षा की कमी नहीं रहेगी।

२. गोवर्धनभाई बहुत हिम्मतपूर्वक स्वामीश्री का पक्ष लेते

(१) ☐ केशवजीवनदास : 'आप इस बागी साधु का साथ क्यों देते हैं?'

(२) ☐ शास्त्री यज्ञपुरुषदास जैसा स्त्री-धन का त्यागी मैंने आज तक नहीं देखा।

(३) ☐ स्वामीश्री ने अपना आसन भगतजी के आसन के पास ही रखा था।

(४) ☐ उनकी बातें मुझे शक्कर के टुकड़े की तरह मीठी लगती हैं।

३. नारायणस्वरूपदासजी संस्था के प्रमुख

(१) ☐ प्रमुखपद की धुरा सद्गुरु बालमुकुन्ददासजी को दी।

(२) ☐ सद्गुरु बालमुकुन्ददासजी की आज्ञा का पालन करना।

(३) ☐ मुझे जो धर्मसेवा का उत्तरदायित्व सौंपा है, उसे पूरा न्याय दे सकूँ इसके लिए आवश्यक शक्ति देना।

(४) ☐ आपके समान गुणों का उदय हो।

प्र. ११ निम्नलिखित किसी भी एक प्रसंग पर १५ पंक्ति में संक्षिप्त नोंद लिखिए। (वर्णनात्मक) [५]

१. प्रौढ़ प्रताप २. पूर्वभूमिका

प्र. १२ निम्नलिखित वाक्य में से गलत शब्द को सुधारकर विषय के अनुलक्ष्य में सही वाक्य लिखिए। [६]

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

उदाहरण : हृदय की स्वच्छता का साधन : अंतत: अयोध्याप्रसादजी महाराज ने उनको जूनागढ़ जाने की आज्ञा प्रदान कर दी। वहाँ के विद्यालय में उनके पढ़ने का प्रबंध किया गया।

उत्तर : हृदय की स्वच्छता का साधन : अंतत: <u>विहारीलालजी</u> महाराज ने उनको <u>राजकोट</u> जाने की आज्ञा प्रदान कर दी। वहाँ के <u>मंदिर</u> में उनके <u>निवास</u> का प्रबंध किया गया।

१. **ब्रह्मविद्या की राह :** स्वामी पवित्रानन्दजी जैसे विद्वान संत का शिष्य होने पर भी, यह जागा भक्त जैसे पार्षद की कथावार्ता सुना करता है तथा उनके आगे-आगे घूमता रहता है। यदि ऐसा ही रहा तो सत्संग समुदाय में साधुओं की कीमत ही नहीं रहेगी।

२. **शुद्ध उपासना के मन्दिर :** सद्गुरु रामानुजाचार्य कृष्णतीर्थ को मालूम हुआ कि भगतजी महाराज जैसे सुयोग्य विद्वान अहमदाबाद शहर में बिराजमान है। यदि उनको अपने पक्ष में मिला लूँ, तो अहमदाबादवालों को शास्त्रार्थ में आसानी से पराजित किया जा सकता है।

३. **गंगा-सागर का संगम :** स्वामीश्री पुन: गढ़डा पधारे। उन्होंने संतो की प्रार्थना सुनकर केवल जीवा खाचर के खेत को खरीद लिया और आश्रम-निर्माण की प्रवृत्ति करने लगे।

४. **निर्भयता :** आश्रम में व्यर्थ समझकर फेंके गए वचनामृत किताब के पन्नों को बटोरना उनको बहुत अच्छा लगता; क्योंकि ऐसे पन्ने इकट्ठे करके वे अध्यापक की भाँति आश्रम के ओटे पर बैठकर पढ़ने का अभिनय करते।

५. **वड़ताल के साथ समाधान की चर्चा :** सर्दी हो, गर्मी हो या मुसलाधार वर्षा हो, स्वामीश्री हमेशा धर्मज स्टेशन से १८ कि.मी. चलकर ही बोचासण जाते थे। अपना पानी का घड़ा सिर पर अथवा कन्धों पर उठा लेते।

६. **भगतजी : परम एकान्तिक सत्पुरुष :** जूनागढ़ के संतों को इस बात की प्रतीति हो गई कि जागा भक्त के साथ जुड़े हुए प्रत्येक शिष्य ज्ञान में अनन्य हैं और बड़ी समझ पूर्वक जागा भक्त को गुरु मानते हैं।

* * *

☞ **अगत्य की सूचना : सभी परीक्षार्थी अपनी संस्था की निम्नलिखित website - link पर से पुराने सालों के मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्र और उसके उकेलपत्र डाउनलोड कर सकते हैं और उसकी प्रिन्ट भी निकाल सकते हैं।**

http://www.baps.org/Satsang-Exams.aspx